अनुक्रमणिका

आभार		i-iv
भूमिका		vi-viii
प्रथम अध्याय	**नाट्यशास्त्र के तत्त्व** (i) नाट्यशास्त्र में नृत्य के तत्त्व (ii) नाट्यशास्त्र के व्याख्याकार	1-29
द्वितीय अध्याय	**नाट्यशास्त्र में दिए गए आंगिक अभिनय का वर्णन** 1. आंगिक अभिनय (i) शिर (ii) हस्त (iii) वक्ष (iv) कटि (v) पाद 2. उपांग (i) दृष्टि (ii) भ्रुकुटिकर्म (iii) नासाकर्म (iv) अधर (v) कपोलकर्म (vi) चिबुक	30-180

	(vii) उदर (viii) उरू (ix) जंघा (v) पाद 3. नृत्त हस्त 4. हस्त करणों के प्रकार 5. पादकर्म 6. बाहु भेद 7. चारी (i) भूमिचारी (ii) आकाशचारी 8. स्थान 9. अंगहार, 10. रेचक 11. करण	
तृतीय अध्याय	***करण का परिचायात्मक अध्ययन*** 1. मन्दिर 2. तंजौर का वृहदेश्वर मन्दिर 3. मन्दिर इतिहास 4. शैलियाँ (i) नागर शैली या उत्तर भारतीय मन्दिर शैली (ii) मन्दिर की स्थापत्य कला (iii) बेसर शैली (iv) द्रविड़ शैली 5. चिदंबरम्	181-212

	(i) मन्दिर के विशेष (ii) नटराज मन्दिर में पूजा विधि (iii) षट्काल पूजा विधि एवं इसके नियम 6. कुंभकोणम्	
चतुर्थ अध्याय	**भरतनाट्यम् का इतिहास** 1. भरतनाट्यम् का परिचय एवं क्रमिक विकास (i) नृत्य की विरासत (ii) वैदिक परम्परा में नृत्य से सम्बन्धित विविध तत्व (iii) भरतनाट्यम् नृत्य (iv) भरतनाट्यम् शब्द की परिभाषा (v) देवदासी प्रथा/परम्परा 2. भरतनाट्य नृत्य शैली में बानियाँ (घराने) (i) तंजौर बानी (ii) मैसूर बानी (iii) पंदनलुर बानी या शैली (iv) वलवेरू बानी – वलवुर रमैया पिल्लै (v) कलाक्षेत्र शैली/बानी–श्रीमती रूक्मिणी देवी अरूण्डेल	213-246
पंचम अध्याय	**भरतनाट्यम् में करण का प्रयोग तथा सम्भावनाएँ**	247-276
उपसंहार		277-279
साक्षात्कार		280-305
सन्दर्भ ग्रन्थ सूची		306-311